सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-170
04/04/2017

मुख्यमंत्री ने सम्राट अशोक जयंती समारोह का उद्घाटन किया

पटना, 04 अप्रैल 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में सम्राट अशोक क्लब द्वारा आयोजित सम्राट अशोक महान जन्मोत्सव समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। राजकीय अवकाश घोषित होने के बाद द्वितीय संगिती अशोकाष्टमी में आज 'प्राचीन पाटलिपुत्र के धरोहरों का वर्तमान स्वरूप' विषय पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने सम्राट अशोक क्लब को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक क्लब अन्य संगठन से भिन्न है। क्लब देश के इतिहास से प्रेरणा लेकर सम्राट अशोक के विचारों को जन–जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया है, यह काफी सराहनीय है। सम्राट अशोक जयंती के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित होने पर इतिहासकारों के विरोध स्वर मुखर हुये थे। इतिहास में आधिकारिक तौर पर जयंती के बारे में स्पष्ट चर्चा नहीं है, पर यहॉ के लोगों की जनभावना चैत्र के द्वितीय पक्ष के अष्टमी को सम्राट अशोक की जयंती दिवस मनाने के पक्ष में था। इसी जनभावना को स्वीकार करते हुये हमने घोषणा की। सम्राट अशोक युद्ध से साम्राज्य विस्तार कर रहा था लेकिन कलिंग विजय के बाद युद्ध के बदले धम्म से विस्तार किये। प्रेम, सद्भाव, सहिष्णुता, सत्य एवं अहिंसा का मार्ग अपनाया। अशोक देवानामप्रिय, प्रियदर्शी अशोक के रूप में जाने जाते हैं। धम्म का सम्मान किया। अपने राजकाज को इसी भावना से संचालित किया। अशोक की धम्म नीति ने सुरापान का विरोध किया। गॉधी जी भी इसके खिलाफ थे। चम्पारण सत्याग्रह, प्रकाश उत्सव और अब सम्राट अशोक जयंती का मौका है। सभी ने मद्यपान का विरोध किया। हमें भी लगा कि शराब बंद करना चाहिये और बंद कर दिया। शुरू में कुछ अमीर तबके के लोग इसे अपनी आजादी से जोड़कर देखा। शराब का कारोबार करना या शराब पीना मौलिक अधिकार नहीं है। ज्यादातर लोग शराबबंदी के पक्षधर हैं। गरीब अपनी गाढ़ी कमाई का बड़ा हिस्सा शराब में गंवा देता था। कपड़े और शिक्षा पर भी खर्च नहीं कर पाता था। शराबबंदी के बाद दूध,मिठाई, सिलेसिलाये कपड़े, सिलाई मशीन की बिक्री बढ़ गयी है। शुरू में पीने के विरोधी तत्व आज नशामुक्ति के पक्षधर हैं। शराबबंदी के पक्ष में जनमत है। 21 जनवरी को मानव श्रृंखला का आह्वान किया, जिसमें चार करोड़ लोगों ने नशामुक्ति के पक्ष अपनी भागीदारी निभायी। बारह करोड़ आबादी वाले सूबे की एक तिहाई आबादी सड़क किनारे खड़ी हो गयी। जनभावना का प्रकटीकरण हो गया। शराबबंदी का वादा मैंने इसी स्थान पर किया था और आज सूबे में शराब बंद है। विचार और संगठन दो बातें हैं। अच्छे विचार को फैलाने के लिये संगठन मजबूत होना जरूरी है। यदि संगठन मजबूत नहीं है तो विचार को फैलाने में कठिनाई होती है। आप सभी को पूरी शुभकामना एवं पूर्ण सहयोग है। मुझे खुशी है कि युवा लोग इससे जुड़े हैं। परम पावन दलाई लामा द्वारा पटना में अन्तर्राष्ट्रीय बुद्ध सम्मेलन का अयोजन किया गया, जिसमें अनुराधापुरम से लाये गये बोधिवृक्ष को लगाया गया। बाद में श्रावस्ती में गौतम बुद्ध का जहॉ सबसे ज्यादा वर्षावास हुआ, वहॉ से आनंद बोधिवृक्ष को लाया गया और लगाया गया। क्लब को शुभकामना देते हुये उन्होंने कहा कि सही परिप्रेक्ष्य में लोगों को बतायें। शुरू में

मजाक और विरोध का सामना करना पड़ता है, बाद में सभी लोग साथ हो जाते हैं। सम्राट अशोक के विचारों के प्रति भावना को ध्यान में रखते हुये उन्होंने कहा कि अगली बार जयंती समारोह सम्राट अशोक कन्वेंशन भवन में मनाया जायेगा। अशोक जयंती सम्राट अशोक के चक्र एवं स्तम्भ को राष्ट्रीय ध्वज एवं प्रतीक के रूप में अपनाया है तो अशोक जयंती समारोह को भी पूरे देश में अपनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि गॉधी जी के विचारों को घर–घर तक पहुॅचाना। कहानी एवं फिल्म के माध्यम से लोगों तथा नई पीढ़ी के बीच में गॉधी जी के विचारों को पहुॅचायेंगे। उन्होंने कहा कि अगर 10 प्रतिशत नई पीढ़ी भी गॉधी जी के विचारों को आत्मसात कर ले तो 10 से 15 साल में समाज बदल जायेगा।

इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष श्री दयानंद मौर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ0 दीनानाथ मौर्य, राष्ट्रीय महाप्रबंधक श्री सत्यनारायण मौर्य, राष्ट्रीय महामंत्री श्री शत्रुघ्न शाक्य, राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ0 सच्चिदानंद मौर्य, श्री संतोष कुशवाहा, धम्मगुरू भंते धम्म शरण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कुमार प्रवीण ने किया।

*****